pan>

Title: Need to take action against the groups involved in spreading misconception about statue of Gurjar Samrat Mihirbhoj.

श्री मलूक नागर (बिजनौर) : साहब, आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सबसे पहले माननीय प्रधानमंत्री जी को दिल से धन्यवाद देता हूं, क्योंकि उन्होंने किसानों की भावनाओं और किसानों के संघर्ष को ध्यान में रखकर तीनों कृषि कानून वापस लिए हैं।

दूसरा, मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि बाकी किसानों की जो मांग है, वे उसके बारे में सहानुभूतिपूर्वक सोचकर उस पर भी निर्णय लें। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कल पूरे विश्व के स्तर पर इतिहास रचा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जी को अपने हाथ से कुर्सी देकर बैठाया है, उन्हें जो सम्मान दिया है, वह किसानों को सम्मान दिया है, क्योंकि देवगौड़ा जी किसान हैं, वे पिछड़ी जाति से हैं। उन्होंने किसानों और पिछड़ी जाति को जो सम्मान दिया है, उसके लिए भी मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को दिल से धन्यवाद देता हूं।

तीसरा, कुछ लोगों ने गौतम बुद्ध नगर के दादरी में गुर्जर सम्राट मिहिर भोज पर कंफ्यूजन करने की कोशिश की। उत्तर प्रदेश में आने वाले चुनाव में राजनीतिक रूप से उसे भुनाने की जो लोग कोशिश कर रहे हैं, उस पर मैं साफ तौर से कहना चाहता हूँ कि उस पर किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं है, क्योंकि पूर्व प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अक्षर धाम पर गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया था। ग्रेटर नोएडा में माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पुरातत्व विभाग की गैलेरी में गुर्जर सम्राट मिहिर भोज मूर्ति का अनावरण किया। दिल्ली के पूर्व मुख्य मंत्री स्वर्गीय साहिब सिंह वर्मा जी ने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज नाम से एन.एच. 24 का उद्घाटन किया। मैं यह कहना चाहता हूँ कि जो लोग कंफ्यूजन कर रहे हैं और गलत-गलत तरह से पोस्ट कर रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इस बारे में बहन

कुमारी मायावती जी ने ट्वीट किया है, जो कि देश की बड़ी नेता हैं। अखिलेश जी ने ट्वीट किया है। इसमें कोई कंफ्यूजन नहीं है। कुछ लोग इस तरह की घटनाएं कर रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और मैं यह मांग करता हूँ कि जो इतिहास में और पाठ्यक्रमों में अंकित है, गुर्जर सम्राट मिहिर भोज और गुर्जर प्रतिहार, उनके नाम से गुर्जर ना हटाया जाए।